राजस्थान के आदिवासी क्षेत्रों पर भाजपा का विशेष फोकस

नितिन गडकरी ने प्रतापगढ़ में 5600 करोड़ रु. की लागत से 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया

- **राजस्थान में कुल 219 किलोमीटर लंबाई और 3,775 करोड़ रुपये की लागत वाली चार राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया तथा 1850 करोड़ रुपये लागत से कुल 221 कि.मी. लंबी 7 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया गया।**
- **गडकरी ने कहा कि, गुलाबपुरा से चित्तौड़गढ़ खंड को 6-लेन का बनाने से भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिलों का उदयपुर, जयपुर और कोटा क्षेत्र से संपर्क और मजबूत होगा जिससे इस क्षेत्रों के विकास को और गति मिलेगी।**

नई दिल्ली, 4 जुलाई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान के प्रतापगढ़ में 5600 करोड़ रुपये की लागत की 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है।

गडकरी ने मंगलवार को ट्वीट किया राजस्थान के प्रतापगढ़ में 5600 करोड़ रुपए लागत की 11 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि 219 कि.मी. लम्बी जिन चार राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया उनकी अनुमानित लागत 3,775 करोड़ रुपये है।

राजस्थान में आज कुल 219 किलोमीटर लंबाई और 3,775 करोड़ रुपये की लागत वाली चार राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया तथा 1850 करोड़ रुपये लागत से कुल 221 कि.मी. लंबी 7 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया गया।

गौरतलब है कि, राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर आदिवासी जिलों पर भाजपा का विशेष फोकस है। लगातार केंद्रीय नेताओं के दौरे आदिवासी इलाकों में हो रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आदिवासी धाम मानगढ़ की सभा में आ चुके हैं। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनाए जाने के बाद से भाजपा लगातार आदिवासी इलाकों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। यह बताने का प्रयास किया जा रहा है आदिवासी समुदाय के लोगों की सच्ची हितैषी भाजपा ही है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर किशनगढ़ से गुलाबपुरा खंड तक इस 6-लेन की परियोजना से अजमेर और भीलवाड़ा जिलों के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति मिलेगी। गुलाबपुरा से चित्तौड़गढ़ खंड को 6-लेन का बनाने से भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिलों के उदयपुर, जयपुर और कोटा क्षेत्र के बीच संपर्क मजबूत होगा। फतहनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग 162ए पर 4-लेन आर.ओ.बी. के निर्माण से रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

सी.आर.आई.एफ. के तहत मंडरायल में आज चम्बल नदी पर हाई लेवल ब्रिज निर्माण की शुरुआत किया गया। इस पुल के निर्माण से राजस्थान के मंडरायल, करौली और मध्य प्रदेश के सबलगढ़ के बीच कनेक्टिविटी बनी रहेगी।

ब्रेक फेल कंटेनर रैस्टोरैंट में घुसा, 13 की मौत

मुंबई, 4 जुलाई (वार्ता)। महाराष्ट्र के धुले जिले में मंगलवार को बस स्टॉप पर एक कंटेनर ब्रेक फेल होने के बाद पास के भोजनालय से टकरा गया, जिससे 13 लोगों की मौत हो गयी और 20 लोग घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर बाद पलासनेर गांव के पास उस वक्त हुई, जब एक बस स्टॉप

- **महाराष्ट्र के धुले जिले में मंगलवार को बस स्टॉप पर एक कंटेनर ब्रेक फेल होने के बाद पास के रैस्टोरैंट से टकरा गया, इस हादसे में 20 अन्य लोग घायल हो गए।**

के पास सीमेंट से लदे एक कंटेनर ब्रेक फेल हो जाने के बाद अनियंत्रित हो गया और दो वाहनों से टकराने के बाद भोजनालय में घुस गया। इससे नौ लोगों की मौत हो गयी और 25 लोग घायल हो गये।

घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर है।

यू.सी.सी. की जमकर पैरवी की उपराष्ट्रपति धनखड़ ने

उपराष्ट्रपति ने कहा कि, यू.सी.सी. के कारण देश में निहित राष्ट्रवाद की भावना और अधिक प्रभावी ढंग से एकजुट होगी

- **उपराष्ट्रपति धनखड़ ने इस मौके पर कहा कि, लोगों के मौलिक अधिकारों एवं सुरक्षा की भावना में बढ़ोतरी हो इसके लिए देश के नीति निर्देशक सिद्धांतों में आवश्यकता के अनुरुप बदलाव आवश्यक हैं।**
- **उपराष्ट्रपति ने भारत की छवि धूमिल करने के कुछ लोगों के प्रयासों की आलोचना करते हुए जोर देकर कहा कि, यही सही समय जब, भारत-विरोधी कहानी रचने वाले "कोरियोग्राफरों" को प्रभावी ढंग से अस्वीकार कर दिया जाए।**

नई दिल्ली/गुवाहाटी 4 जुलाई (वार्ता)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि समान नागरिक संहिता देश तथा उसमें निहित राष्ट्रवाद को अधिक प्रभावी ढंग से एकजुट करेगी और इसे लागू करने में किसी भी तरह की और देरी हमारे मूल्यों के लिए हानिकारक होगी।

उपराष्ट्रपति ने मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के 25वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि नीति निर्देशक सिद्धांत 'देश के शासन में मौलिक' हैं और उन्हें नियमों में बदलना एक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि पंचायत, सहकारी समितियां और शिक्षा का अधिकार जैसे नीति निर्देशक सिद्धांत पहले ही कानून में बदल चुके हैं, उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 44 को लागू करने का समय है।

भारत की छवि धूमिल करने के कुछ लोगों के प्रयासों की आलोचना करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सही समय है कि भारत-विरोधी कहानी रचने वाले कोरियोग्राफरों को प्रभावी ढंग से अस्वीकार कर दिया जाए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी विदेशी संस्था को हमारी संप्रभुता और प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। भारत को सबसे पुराना, सबसे बड़ा, सबसे क्रियाशील और जीवंत लोकतंत्र बताते हुए, उपराष्ट्रपति ने बल देकर कहा, हम अपने समृद्ध और फलते-फूलते लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थानों पर चोट नहीं झेल सकते।

उन्होंने भ्रष्टाचार को कतई सहन नहीं करने की नीति का जिक्र करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा,भ्रष्टाचार लोकतंत्र विरोधी है, भ्रष्टाचार खराब शासन है, भ्रष्टाचार हमारे विकास को कम करता है... भ्रष्टाचार मुक्त समाज आपके विकास की सबसे सुरक्षित गारंटी है।

धनखड़ ने इस बात को भी गलत बताया कि कुछ लोग भ्रष्टाचार करते पकड़े जाने पर कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेने के बजाय सड़कों पर उतर आते हैं।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों से भारतीय होने और इसकी ऐतिहासिक उपलब्धियों पर गर्व करने के लिए भी कहा। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि विद्यार्थी आर्थिक राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्ध हों और राष्ट्र तथा राष्ट्रवाद की कीमत पर आर्थिक लाभ लेने से बचें। उन्होंने छात्रों को दूरदर्शी व्यक्तित्व डॉ. बी. आर. अंबेडकर के बहुमूल्य शब्दों को भी याद दिलाया- आपको पहले भारतीय होना चाहिए, अंत में भारतीय होना चाहिए और भारतीयों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं।

धनखड़ ने अपने दीक्षांत भाषण में विद्यार्थियों का ध्यान सहिष्णु होने की आवश्यकता की ओर भी आकर्षित किया। उपराष्ट्रपति इससे पहले दिन में सुदेश धनखड़ के साथ गुवाहाटी में प्रसिद्ध मां कामाख्या मंदिर गए और पूजा-अर्चना की। बाद में उन्होंने आई.आई.टी. गुवाहाटी के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की।

इस अवसर पर असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा आदि उपस्थित थे।

'एन.सी.पी. के 51 विधायक पहले से ही भाजपा के साथ सरकार बनाना चाहते थे'

- **एन.सी.पी. के राज्यसभा सांसद प्रफुल पटेल ने दावा किया कि, यह बात शरद पवार के समक्ष पुरजोर तरीके से रख दी गई थी।**

मुंबई, 4 जुलई। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) में मचे सियासी घमासान के बीच नेताओं में बयानबाजी भी शुरू हो गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और एन.सी.पी. के राज्यसभा सांसद प्रफुल पटेल ने बड़ा बयान दिया है। अजित पवार के साथ एन.सी.पी. में बगावत करने वाले प्रफुल ने कहा कि पार्टी के 51 विधायक बीजेपी के साथ सरकार बनाना चाहते थे।

प्रफुल पटेल ने दावा किया कि पार्टी के 53 में से 51 विधायकों ने एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार से कहा था कि पिछले साल महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी (एम.वी.ए.) सरकार गिरने के बाद भाजपा के साथ हाथ मिलाने की संभावना तलाशी जानी चाहिए। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, अगर एन.सी.पी. शिवसेना के साथ सरकार बना सकती है तो भाजपा के साथ क्यों नहीं।

पटेल ने ये भी कहा कि पिछले साल भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल होने पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि विधायकों के बीच ये चर्चा हुई थी। प्रफुल पटेल ने आगे कहा, इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी, लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया। अब उस चर्चा को आकार दिया गया है। बीजेपी के साथ जाने का फैसला पार्टी के रूप में लिया गया है, न कि मेरे या अजीत पवार द्वारा।

प्रफुल ने ये भी कहा कि जयंत पाटिल भी उन 51 विधायकों में से थे, जो चाहते थे कि शरद पवार बीजेपी सरकार में शामिल होने की संभावना तलाशें।

उन्होंने कहा, केवल अनिल देशमुख और नवाब मलिक इस पर राजी नहीं थे। गौरतलब है कि एन.सी.पी. नेता अजित पवार ने कुछ विधायकों और सांसदों के साथ मिलकर चाचा शरद पवार के साथ बगावत कर दी। रविवार को ही अजित पवार ने डिप्टी सी.एम. पद की शपथ ली, जबकि छगन भुजबल समेत आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।

प्रदेश अध्यक्षों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्षों व संगठन महामंत्रियों को बदला गया। उसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में व केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में फेरबदल होगा।

पार्टी चार राज्यों के अध्यक्ष पहले ही बदल चुकी है और पार्टी सूत्रों ने कहा कि आगामी दिनों अन्य राज्यों में भी फेरबदल होगा। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया। सबसे पहले जिन राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदले गए है उनमें प्रमुख है पंजाब, झारखंड, आंध्र और तेलगांना। पंजाब की कमान सुनील जाखड़ को सौंपी गई है। पूर्व लोकसभा स्पीकर बलराम जाखड़ के पुत्र कांग्रेस के भी प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। झारखंड में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वे विधानसभा में विपक्ष के नेता भी है।

तेलंगाना में जी. किशन रेड्डी को और आंध्र में पी. पुरंदरेश्वरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

बुधवार को शरद पवार व अजीत पवार ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधायकों के चुनाव क्षेत्र हैं।

82 वर्षीय शरद पवार ने इसे पार्टी को जमीन से वापिस खड़ा करने का मिशन बताया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वे पार्टी के संकट के लिए कानूनी सलाह भी ले रहे हैं। यह संकट अजीत पवार के शिव सेना-भाजपा सरकार में शामिल होने और अधिकांश विधायकों के समर्थन का दावा करने के कारण खड़ा हुआ है।

एन.सी.पी. ने महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर के समक्ष एक याचिका पेश कर अजीत पवार और उन आठ विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है जिन्होंने एकनाथ शिंदे सरकार में शपथ ली है। नार्वेकर को अभी अयोग्यता की एक और याचिका पर फैसला करना है जो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिव सेना ने एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक सेना विधायकों के खिलाफ दायर की है।

एक दिन पहले एन.सी.पी. के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महासचिव सुनील तट्करे को "पार्टी विरोधी गतिविधियों" के कारण हटा दिया गया क्योंकि वे अजीत पवार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

अजीत पवार खेमे ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष से कहा है कि जयंती पटेल और जीतेन्द्र अहवाद की सदन से सदस्यता समाप्त करने की मांग की है।

आज दिन में राहुल नार्वेकर ने मीडिया को कहा कि वे सब कुछ देखने के बाद उचित निर्णय लेंगे। उन्होंने ने स्पष्ट किया कि उनके पास किसी धड़े का इस आशय का पत्र नहीं आया है कि वह अलग है। शरद पवार और अजीत पवार दोनों का दावा है कि पूरी पार्टी उनके साथ है।

खबरों के अनुसार, राज्यपाल को लिखे एक पत्र में अजीत पवार ने 40 विधायकों के हस्ताक्षर सहित उनके समर्थन का दावा किया है। कई विधायकों ने आरोप लगाया कि उन्होंने बिना उद्देश्य जाने अनजाने में हस्ताक्षर कर दिए।

शरद और अजीत में से किसी ने अपने समर्थन में विधायक खड़े नहीं किए हैं और शरद पवार के समर्थन में ट्वीट करने वाले कुछ राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी नेताओं ने इसे आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है।

अजीत पवार के शपथ ग्रहण में शामिल होकर वापस शरद पवार के पास लौटने वाले दो विधायक हैं मकरंद पाटिल और बाला साहेब पाटिल। एक सांसद अमोल कोल्हे ने भी कहा है कि वे शरद पवार के पास लौट रहे हैं।

जिन लोगों ने शरद पवार के समर्थन में उनके साथ फोटो पोस्ट किए हैं वे हैं अनिल देशमुख, जीतेन्द्र अवध, जयंत पाटिल, रोहित पवार, संदीप क्षीरसागर और प्राजक्त प्रसादराव तानपुरे। एन.सी.पी. सांसद अमोल कोल्हे ने अपने समर्थन का संदेश भी पोस्ट किया, "जब दिल और दिमाग में युद्ध हो तो दिल की सुनो। दिमाग कई बार नैतिकता भूल जाता है लेकिन दिल नहीं भूलता।"

जहां अजीत पवार खेमे का सवाल है, उनके साथ रविवार को जिन विधायकों ने शपथ ली है वो हैं छगन भुजबल, धनंजय मुंडे, दिलीप वाल्से पाटिल, अनिल पाटिल, हसन मुशरिफ, अदिति तट्करे, धर्मराव बाबा, अतराम और संजय बसोडे।

जीतेन्द्र अवध ने कहा है कि दोनों धड़ों की संख्या तभी स्पष्ट होगी जब शरद पवार विधायकों को फोन करना शुरु करेंगे।

अजीत पवार अभी तक पार्टी के केवल 9 विधायकों के साथ ही नजर आ रहे हैं। हालांकि उनका दावा है कि उन्हें पार्टी का समर्थन है और शरद पवार उनके नेता हैं। शरद पवार के लंबे समय सहयोगी रहे प्रफुल्ल पटेल उनके साथ हैं और अजीत पवार ने कहा है कि वे अपनी संख्या जरूरत पड़ने पर बताएंगे।

अभी अजीत पवार के साथ दो-तिहाई बहुमत नहीं लगता है जो दलबदल विरोधी कानून से बचाव के लिए जरूरी है। अगर उनके पास यह संख्या हो तो वे पार्टी के नाम और चिन्ह पर दावा कर सकते हैं।

शरद पवार के नज़दीकी सूत्रों का कहना है कि वे वह गलती नहीं दोहराएंगे जो उद्धव ठाकरे ने की थी जब उन्होंने शिंदे के साथ जाने वाले विधायकों को "गद्दार" कहा था।

शरद पवार जानते हैं कि नौ विधायक महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए हैं वे वापस नहीं आएंगे लेकिन वे सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दूसरों को लगे कि वे लौटेंगे। कार्रवाई अभी नौ के खिलाफ ही हुई है और बाकी के लिए सुप्रिया सुले ने कहा कि वे परिवार की तरह है जिनके पास लौटने का विकल्प है।

भाजपा ने नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपी बनाये गये थे। बाद में, वे उस समय पुन: मंत्री बना दिये गये थे, जब अदालत ने उन्हें बरी कर दिया था। वर्ष 2018 में, उन्होंने महिला एवं बाल विकास मंत्री मंजू वर्मा को उस समय बर्खास्त कर दिया था, जब मुजफ्फरपुर में नाबालिग बालिकाओं के यौन-शोषण के बारे में सनसनीखेज खुलासे हुये थे। वर्ष 2020 में, एन.डी.ए. सरकार बनने के तीन दिन के अंदर ही, उन्होंने शिक्षा मंत्री मेवालाल चौधरी जो एक भर्ती-घोटाले में आरोपी थे, को बर्खास्त कर दिया था।

दरअसल, कुमार ने वर्ष 2017 में महागठबंधन से अपने संबंध इसीलिये तोड़ लिये थे, क्योंकि आर.जे.डी. प्रमुख लालू प्रसाद और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार का धब्बा लग गया था।

उस समय, नीतीश ने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से इस मामले में स्पष्टीकरण माँगा था, जिसके लिये यादव ने इंकार कर दिया था।

इसलिये, भाजपा ऐसा सोच रही है कि "भ्रष्टाचार जे.डी. नेताओं के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन का औचित्य सिद्ध करना उनके लिये मुश्किल होगा"

किन्तु, महाराष्ट्र के विपरीत, निम्नवर्गीय राजनीति की जड़ें बिहार में बहुत गहरी हैं तथा तेजस्वी यादव उस वर्ग के एक युवा प्रतिनिधि के रूप में उभरे हैं। तेजस्वी के खिलाफ केन्द्रीय गुप्तचर एजेंसियों की कार्यवाही भाजपा के लिये हानिकारक हो सकती है। इसलिये, कुमार इस समय आर.जे.डी. से अपने संबंध तोड़ने को राजनैतिक रूप से अनुचित एवं अविवेकपूर्ण मानेंगे।

रूस ने मार गिराये यूक्रेन के पांच ड्रोन

मास्को, 4 जुलाई (वार्ता)। रूस ने न्यू मास्को क्षेत्र में मंगलवार सुबह पांच यूक्रेन के ड्रोन मार गिराये, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इस कार्रवाई के कारण वनुकोवो हवाई अड्डे पर लगभग तीन घंटे तक उड़ानें प्रभावित रहीं। रूस की समाचार एजेंसी आर.आई.ए. नोवोस्ती के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ड्रोन मास्को क्षेत्र और न्यू मास्को क्षेत्र में वस्तुओं को निशाना बना रहे थे, जिनमें से चार को वायु रक्षा द्वारा और एक को इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में मार गिराया गया।

मंत्री बालाजी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जे. निशा बानू तथा डी. भारत चक्रवर्ती शामिल थे, ने बालाजी की पत्नी द्वारा अपने पति की गैर कानूनी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विभाजित फैसला दिया था।

सचिन खेमे ने छः ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद राज्य का मुख्यमंत्री बन जायेगा।

इस प्रस्ताव पर अमल होने से कांग्रेस के सामने वे समस्याएं नहीं आयेंगी, जो छत्तीसगढ़ में उसके सामने आयेंगी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को यह निर्णय लेना पड़ेगा कि भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री बनाया जाये या टी.एस. सिंहदेव को, क्योंकि दोनों ही प्रचार का नेतृत्व करेंगे तथा दोनों ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार होंगे। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों से पहले संतुलनकारी कदम के रूप में, टी.एस. सिंहदेव को अभी-अभी राज्य के उप मुख्यमंत्री बना दिया गया है।

माना जा रहा है कि, अशोक गहलोत ज़ूम के जरिये मीटिंग में शामिल होंगे, लेकिन गहलोत के मामले में कोई भी चीज बहुत साफ नहीं है। वे इस मीटिंग को बिगाड़ने के लिये नये कारण तलाश सकते हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि संकट का समाधान हो तथा वे एक इंच समायोजन के लिये भी तैयार नहीं हैं।

सूत्रों का कहना है कि, सचिन पायलट द्वारा रखी गई तीन मांगों का भी समायोजन करना होगा, इनका समाधान तो करना ही होगा।

विवाद का मुख्य क्षेत्र तो टिकट वितरण होगा क्योंकि सचिन पायलट अपना हिस्सा चाहेंगे, और पायलट ने जो प्रस्ताव दिया है उससे इस समस्या का निराकरण हो सकेगा और किसी को समस्या भी नहीं होगी।

जिन सीटों पर ये दोनों सहमत नहीं होंगे तथा उन्हें किसी भी कीमत पर चाहेंगे, उनका निर्णय नेतृत्व करेगा।

अब, सब की नजरें 6 जुलाई की मीटिंग पर लगी हुई हैं, तब तक बहुत सारे मसले सुलझा लिये जायेंगे।

समझा जाता है कि वेणु गोपाल सचिन पायलट के निरन्तर सम्पर्क में हैं तथा पिछले सप्ताह जब वेणुगोपाल जयपुर में थे तब गहलोत से भी मिले थे।

'दिव्यांग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश हैं कि दिव्यांग अफसरों को उनके गृह जिले या उनके घर से समीप ही पोस्टिंग दी जाये, परंतु सरकार के अधिकारी इस आदेश की पालना नहीं कर रहे हैं। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने नोटिस जारी कर चार हफ्ते बाद सुनवाई का फैसला किया है।

'अगर दोनों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक नेता ने कहा कि दोनों पार्टियों के गठबंधन से मत विभाजन रूक सकता है और 20-22 सीटें जीती जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधानसभा में जीती है इसलिए लोकसभा में कड़ी टक्कर देगी, चाहे उस चुनाव के मुद्दे अलग हों।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908